समास सब्द दो शब्दों के में से बना है एक है सम् और दूसरा है आस । सम् का अर्थ होता है संक्षिप्त। और आस का अर्थ होता है कथन या सब्द, अर्थात समास का अर्थ होगा संक्षिप्त कथन या सब्द । समास में दो या दो से अधिक शब्दों का संक्षिप्तीकरण किया जाता है

समास किसे कहते हैं ||

समास की परिभाषा :- दो या दो से अधिक शब्द मिल कर एक नए सार्थक शब्द बनाने की प्रक्रिया **समास** कहलाता है। इस प्रक्रिया से बने नए सब्द समस्त पद या सामासिक पद कहलाते हैं। समस्त पद समास के नियमो से बनता है ।

समास के रचना में प्रायः दो पद होते हैं इस में पहले पद को **पूर्वपद** और दूसरे पद को **उतर पद** कहते हैं

समास की प्रक्रिया में पदों की **विभक्तियाँ** लुप्त हो जाती हैं

जैसे :- '**राजा का पुत्र**' मिल कर नए शब्द '**राजपुत्र**' बनाते हैं इस प्रक्रिया में **'का'** विभक्ति का लोप हो गया है ।

समास विग्रह किसे कहते हैं

समस्त पद के सभी पदों को **खंडित** किये जाने की प्रक्रिया को हम **समास विग्रह** या **व्यास** कहते है ।

जैसे:-
नीलकमल का समास विग्रह है – **'नीला है जो कमल'** होगा।
चौराहा का समास विग्रह है – **'चार राहों का समूह'** होगा।

समास की परिभाषा उदाहरण सहित

समास का चार्ट

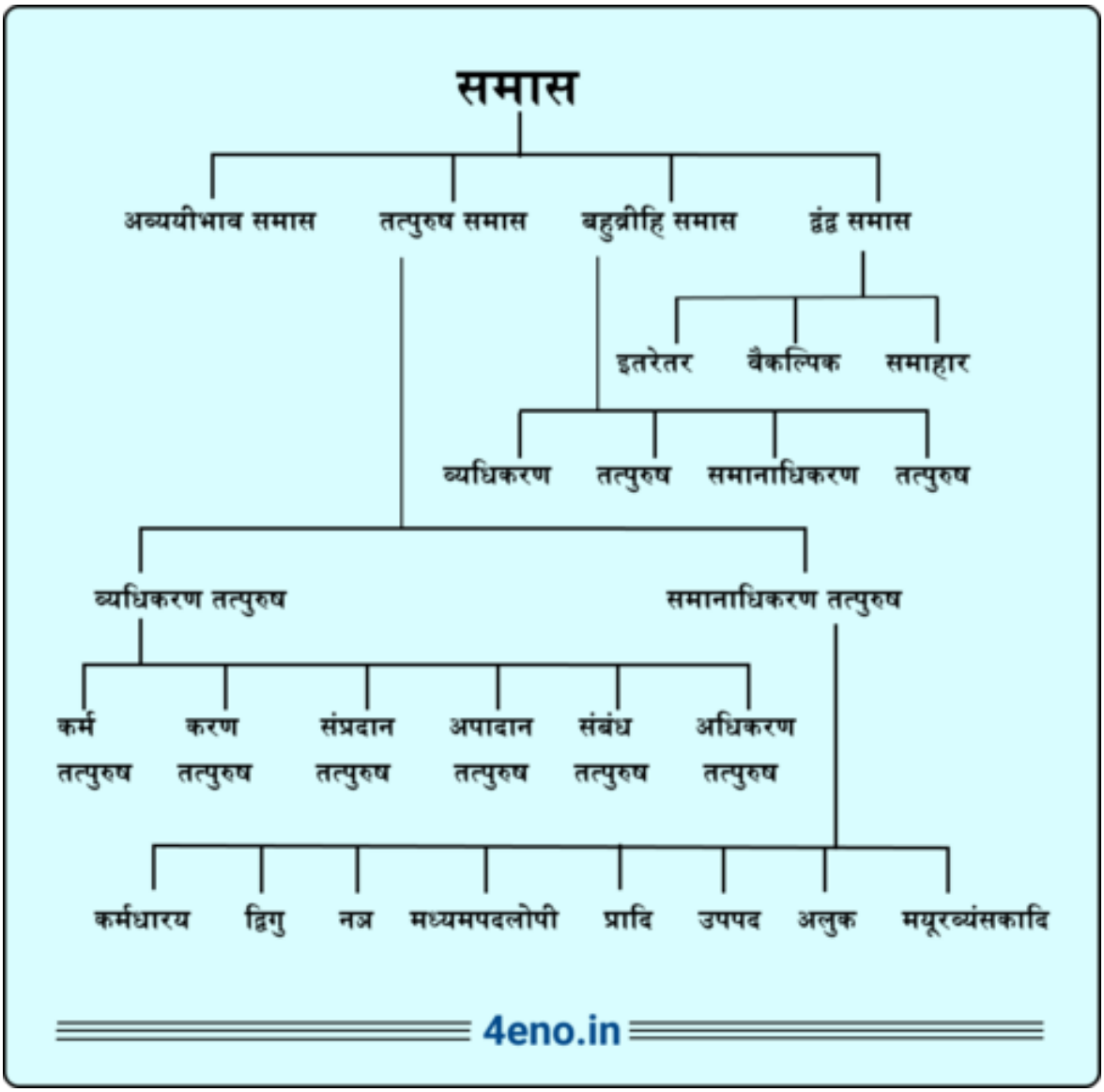

समास के प्रकार | समास के कितने भेद हैं

समास के छह भेद होते हैं।
1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द समास
6. बहुव्रीहि समास

1. अव्ययीभाव समास

अव्ययीभाव समास की परिभाषा :- जिस समास का प्रथम पद अव्यय तथा प्रधान हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं।

अव्ययीभाव समास के पहचान – जब किसी समास का पहला पद **अनु**, **आ**, **प्रति**, **भर**, **यथा**, **यावत** आदि हो तब वह समास **अव्ययीभाव समास** होगा ।

अव्ययीभाव समास के 10 उदाहरण

1. **थाशक्ति** - शक्ति के अनुसार
2. **यथासंभव** -जैसा संभव हो
3. **आजन्म** - जन्म से लेकर
4. **प्रतिदिन** - प्रत्येक दिन
5. **यथामति** - मति के अनुसार
6. **अनुरूप** - रूप के योग्य
7. **भरपेट -** पेट भर के
8. **प्रतिकूल** - इच्छा के विरुद्ध
9. **हाथों हाथ** - हाथ ही हाथ में
10. **यथासमय** - समय के अनुसार

पूर्व पद	उत्तरपद	समस्त पद	समास विग्रह
यथा +	शक्ति =	यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार
प्रति +	दिन =	प्रतिदिन	प्रत्येक दिन
आ +	जन्म =	आजन्म	जन्म से लेकर
यथा +	संभव =	यथासंभव	जैसा संभव हो
अनु +	रूप =	अनुरूप	रूप के योग्य
भर +	पेट =	भरपेट	पेट भर के
प्रति +	कूल =	प्रतिकूल	इच्छा के विरुद्ध
हाथ +	हाथ =	हाथों हाथ	हाथ ही हाथ में
यथा +	मति =	यथामति	मति के अनुसार
यथा +	समय =	यथासमय	समय के अनुसार

Question:- अव्ययीभाव समास किसे कहते हैं

Answer:- वैसा समास जिस का प्रथम पद **अव्यय** तथा **प्रधान** हो उसे **अव्ययीभाव समास** कहते हैं।

2. तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास की परिभाषा :– जिस समास का **उत्तर पद** प्रधान हो तथा दोनों पदों के बिच की **विभक्ति** का लोप उसे **तत्पुरुष समास** कहते हैं। तत्पुरुष समास में आने वाले कारक चिह्नों जैसे :- **को**, **से**, **के लिए**, **से**, **का/के/की**, **में**, **पर** आदि चिह्नों का लोप हो जाता है

तत्पुरुष समास में प्रथम पद **संज्ञा** या **विशेषण** होता है और लिंग-वचन का निर्धारण अंतिम या द्वितीय पद के अनुसार होता है।

जैसे:-

राजा का कुमार = **राजकुमार**

गंगा का जल = **गंगा जल**

रचना को करने वाला = **रचनाकार**

धर्म का ग्रन्थ = **धर्म ग्रन्थ**

ऊपर दिए गए सभी उदाहरणों के उत्तर पद जैसे - कुमार, जल, करने वाला, ग्रन्थ **प्रधान पद** हैं ।

तत्पुरुष समास के उदहारण

1. **स्वर्गप्राप्त** = स्वर्ग को प्राप्त
2. राजा का कुमार = **राजकुमार**
3. **दिल तोड़** = दिल को तोड़ने वाला
4. **शरणागत** = शरण को आया हुआ
5. रचना को करने वाला = **रचनाका**र
6. **अकालपीड़ित** = अकाल से पीड़ित
7. **तुलसीकृत** = तुलसीदास द्वारा किया हुआ
8. **कष्टसाध्य** = कष्ट से साध्य
9. **देशभक्ति** = देश के लिए भक्ति
10. **घुड़साल** = घोड़ों के लिए साल (भवन)

11. **सभामंडप** = सभा के लिए मंडप
12. **गुणरहित** = गुण से रहित
13. **धर्म का ग्रन्थ** = धर्म ग्रन्थ
14. **जन्मान्ध** = जन्म से अन्धा
15. **पापमुक्त** = पाप से मुक्त
16. **राजसभा** = राजा की सभा
17. **चर्मरोग** = चर्म का रोग
18. **जलधारा** = जल की धारा
19. **आत्मनिर्भर** = स्वयं पर निर्भर
20. **कविराज** = कवियों में राजा
21. **सिरदर्द** = सिर में दर्द
22. **आपबीती** = अपने पर बीती हुई

Tatpurush Samas ke Bhed || तत्पुरुष समास के भेद

विभक्तियों के लोप के आधार पर तत्पुरुष समास को निम्नलिखित **छः** भागो में बाँटा गया है

i. कर्म तत्पुरुष समास – Karam Tatpurush samas
ii. करण तत्पुरुष समास – Karan Tatpurush samas
iii. सम्प्रदान तत्पुरुष समास – Sampradan Tatpurush samas
iv. अपादान तत्पुरुष समास – Apadan Tatpurush samas
v. सम्बंध तत्पुरुष समास – Sambandh Tatpurush samas
vi. अधिकरण तत्पुरुष समास – Adhikaran Tatpurush samas

(**i**) कर्म तत्पुरुष समास || Karam Tatpurush Samas

जिस तत्पुरुष समास में कर्म कारक की विभक्ति **'को '** का लोप हुआ हो, उसे कर्म तत्पुरुष समास कहते हैं।

कर्म तत्पुरुष को द्वितीय तत्पुरुष भी कहते हैं ।

कर्म तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	**विग्रह**
कृष्णार्पण	कृष्ण **को** अर्पण
गगनचुम्बी	गगन **को** चूमने वाला
रथचालक	रथ **को** चलने वाला
यशप्राप्त	यश **को** प्राप्त

समस्त पद	विग्रह
ग्रामगत	ग्राम **को** गया हुआ
नेत्र सुखद	नेत्रों **को** सुखद
चिड़ीमार	चिड़ी **को** मारने वाला
कठफोड़ा	काठ **को** फ़ोड़नेवाला
नरभक्षी	नरों **का** भोजन करने वाला

(**ii**)करण तत्पुरुष समास

इस समास में करण कारक की विभक्ति **' से '** , **' के द्वारा '** का लोप हो जाता हैं।

करण तत्पुरुष को तृतीया तत्पुरुष भी कहते हैं ।

करण तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	विग्रह
करुणापूर्ण	करुणा **से** पूर्ण
रेखांकित	रेखा **के द्वारा** अंकित
मनचाहा	मन **से** चाहा
सूररचित	सुर **द्वारा** रचित
पददलित	पद **से** दलित
शोकाकुल	शोक **से** आकुल
प्रकाशयुक्त	प्रकाश **से** युक्त
गुणयुक्त	गुण **से** युक्त
मदमाता	मद **से** मत्त हुआ

(**iii**) सम्प्रदान तत्पुरुष समास

इस समास में सम्प्रदान कारक की विभक्ति **' के लिए '** का लोप हो जाता हैं।

करण तत्पुरुष को चतुर्थ तत्पुरुष भी कहते हैं ।

सम्प्रदान तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	विग्रह
प्रयोगशाला	प्रयोग **के लिए** शाला
रसोईघर	रसोई **के लिए** घर
गोशाला	गौ **के लिए** शाला
देवालय	देव **के लिए** आलय
धर्मशाला	धर्म **के लिए** शाला
विद्यालय	विद्या **के लिए** आलय
देशभक्त	देश **के लिए** भक्ति
हथकड़ी	हाथ **के लिए** कड़ी
यज्ञशाला	यज्ञ **के लिए** शाला

(**iv**) अपादान तत्पुरुष समास

इस समास में अपादान कारक (से अलग होने के अर्थ में) की विभक्ति **' से '** का लोप हो जाता हैं।

आपदान तत्पुरुष को पंचमी तत्पुरुष भी कहते हैं ।

अपादान तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	विग्रह
जलहीन	जल **से** हीन
पापमुक्त	पाप **से** मुक्त
गुणहीन	गन **से** हीन
धनहीन	धन **से** हीन
ऋणमुक्त	ऋण **से** मुक्त
सेवानिवृत्त	सेवा **से** निवृत्त
जलरिक्त	जल **से** रिक्त
देशनिकाला	देश **से** निकाला हुआ
पथभ्रष्ट	पथ **से** भ्रष्ट

(**v**) सम्बंध तत्पुरुष समास

इस समास में सम्बंध कारक की विभक्ति **' का '** , **' के '** , **' की '** का लोप हो जाता हैं।

सम्बन्ध तत्पुरुष को षष्ठी तत्पुरुष भी कहते हैं ।

सम्बंध तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	**विग्रह**
राजपुत्र	राजा **का** पुत्र
देशरक्षा	देश **की** रक्षा
गृहस्वामी	गृह **का** स्वामी
विद्यासागर	विधा **का** सागर
राजमाता	राजा **की** माता
मंत्रिपरिषद	मंत्रियों **की** परिषद
राष्ट्रपति	राष्ट्र **का** पति
सेनापति	सेना **का** पति
सेनाध्यक्ष	सेना **का** अध्यक्ष

(**vi**) अधिकरण तत्पुरुष समास

इस समास में अधिकरण कारक की विभक्ति **' में '** , **' पर '** का लोप हो जाता हैं।

अधिकरण तत्पुरुष को सप्तमी तत्पुरुष भी कहते हैं ।

अधिकरण तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	**विग्रह**
शोकमग्न	शोक **में** मग्न
पुरुषोत्तम	पुरुषो **में** उत्तम
आपबीती	आप **पर** बीती
गृहप्रवेश	गृह **में** प्रवेश
धर्मवीर	धर्म **में** वीर
कलाश्रेष्ठ	कला **में** श्रेष्ठ
घुड़सवार	घोड़े **पर** सवार
नराधम	नरों **में** अधम
लोकप्रिय	लोक **में** प्रिय

नञ् समास

जिस सनस में पूर्वपद निषेधसूचक या नकारात्मक (जैसे :- **अ , अन् , अन , न , ना, गैर** आदि) हो उसे नञ् समास कहते हैं

जैसे- **अधर्म** शब्द **न** और **धर्म** के संयोग से बना होता है । इसी प्रकार **अनावश्यक** शब्द **न** और **आवश्यक** शब्द के मेल से बना है ।

नञ् तत्पुरुष समास के उदाहरण

समस्त पद	**विग्रह**
अज्ञान	न +ज्ञान
अधर्म	न +धर्म
अनाआवश्यक	न +आवश्यक
नापसंद	न + पसंद
अनुपयोगी	न +उपयोगी
नास्तिक	न + आस्तिक
अनिष्ट	न + इष्ट
नालायक	न + लायक
गैरवाजिब	न + वाजिब

Note:- नया समास एक तत्पुरुष समास है ।

तत्पुरुष समास के 10 उदाहरण

समस्त पद	**विग्रह**
करुणापूर्ण	करुणा **से** पूर्ण
शोकमग्न	शोक **में** मग्न
रेखांकित	रेखा **के द्वारा** अंकित
पुरुषोत्तम	पुरुषो **में** उत्तम
यशप्राप्त	यश **को** प्राप्त
रथचालक	रथ **को** चलने वाला
धनहीन	धन **से** हीन
ऋणमुक्त	ऋण **से** मुक्त
सेवानिवृत्त	सेवा **से** निवृत्त
गुणहीन	गुण **से** हीन

3. बहुव्रीहि समास

बहुब्रीहि समास की परिभाषा :– जिस समास के समस्त पदों में से कोई भी प्रधान नहीं हो तथा दोनों पद मिलकर किसी तीसरे पद का निर्माण करते हो उसे **बहुब्रीहि समास** कहते हैं ।

जैसे - 'नीला है कंठ जिसका ' = **नीलकंठ**, नीलकंठ का अर्थ **शिव** होता है । इस उदहारण से साफ-साफ पता चल रहा है की कई सारा पद मिलकर एक नए पद का निर्माण कर रहे है तथा नया पद किसी तीसरे पद की ओर संकेत कर रहा है ।

बहुव्रीहि समास के उदाहरण

समस्त पद	**विग्रह**
लम्बोदर	लम्बा है उदार जिसका (गणेश)
दशानन	दस है आनन् जिसके (रावण)
चक्रपाणि	चक्र है पाणि में जिसके (विष्णु)
महावीर	महान है वीर जो (हनुमान)
चतर्भुज	चार है भुजाये जिसकी (विष्णु)
पंकज	पंक में पैदा हो जो (कमल)
अनहोनी	न होने वाली घटना (कोई विशेष घटना)
पीताम्बर	पीत है अम्बर जिसका (कृष्ण)
घनश्याम	गहन के सामान श्याम है जो (कृष्ण)
विषधर	विष को धारण करने वाला (सर्प)

4. कर्मधारय समास

कर्मधारय समास की परिभाषा :– जिस समास का उत्तर प्रधान हो तथा पूर्वपद और उत्तर पद में उ**पमा - उपमेय** या **विशेषण-विशेष** का सम्बन्ध हो उसे कर्मधारय समास कहते हैं ।

पहचान :- विग्रह करने पर दोनों पद के मध्य में है जो , के सामान इत्यादि आते है

कर्मधारय समास के 10 उदाहरण

समस्त पद	विग्रह
परमानन्द	परम है जो आनंद
महादेव	महान है जो देव
चरणकमल	कमल के सामान चरण
कमलनयन	कमल के सामान नयन
चन्द्रमुख	चंद्र के सामान मुख
नीलकंठ	नीला है जो कंठ
महापुरुष	महान है जो पुरुष
प्राणप्रिया	प्राण के सामान प्रिय
मृगनयन	मृग के सामान नयन
क्रोधाग्नि	क्रोध रूपी अग्नि

Question:- कर्मधारय समास किसे कहते हैं ?

Answer- वैसा समास जिसका उत्तर प्रधान हो तथा पूर्वपद और उत्तर पद में उपमा - उपमेय या विशेषण-विशेष का सम्बन्ध हो वह कर्मधारय समास कहते हैं ।

5.द्विगु समास

द्विगु समास की परिभाषा :– जिस समास का पूर्वपद **संख्या वाचक** हो उसे द्विगु समास कहते हैं । द्विगु समास से समूह से समाहार का ज्ञान होता है

द्विगु समास के 10 उदाहरण

S.R	समस्त पद	विग्रह
1	सप्तसिंधु	सात सिन्धुवो का समूह
2	दोपहर	दो पहरो का समूह
3	तिरंगा	तीन रंगो का समूह
4	चौराहा	चार राहों का समूह
5	त्रिलोक	तीन लोको का समाहार
6	नवरात्र	नव रात्रियों का समूह
7	त्रिकोण	तीन कोणों का समाहार
8	दुपट्टा	दो पाट वाला.
9	पंचमढ़ी	पाँच मढ़ियों का समूह

S.R	समस्त पद	विग्रह
10	सप्ताह	सात दिनों का समूह

7.द्वंद्व समास

द्वंद्व समास की परिभाषा :– जिस समास के दोनों पद प्रधान हो तथा इस के विग्रह करने पर '**या**', '**और**' '**अथवा**', '**एवं**' में से कोई भी लगत हो उसे **द्वंद्व समास** कहते हैं ।

पहचान - दोनों पदों के बिच प्रायः योजक चिन्ह (-) लगा रहता है

द्विगु समास के 10 उदाहरण

S.R	समस्त पद	विग्रह
1	माता - पिता	माता और पिता
2	नर - नारी	नौर और नारी
3	राजा - प्रजा	राजा और प्रजा
4	दाल - भात	दाल और भात
5	छल - कपट	छल और कपट
6	सुख - दुःख	सुख और दुःख
7	पाप - पुण्य	पाप और पुण्य
8	देश - विदेश	देश और विदेश
9	आगे - पीछे	आगे और पीछे
10	अपना - पराया	अपना और पराया

समास pdf

यहाँ से आप समास के सभी भेड़ो तथ समास के पीडीऍफ़ downloade1 का सकते है

पीडीऍफ़ Downloade3 करने के लिए Click करें

FAQ

समास कितने प्रकार के होते हैं